FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION PRAYAGRAJ

GSDP Training on Bamboo Propagation and Management

Forest Research Centre for Eco-rehabilitation, Prayagaraj conducted a Certificate Course from 12 February 2020 on "**Bamboo Propagation and Management** under Green Skill Development Programme (GSDP), sponsored by Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India. Course was attended by total 20 participants. The duration of the course was 38 days.

Prof. Rajeev Tripathi, Director, Motilal Nehru National Institute of Technology, Prayagraj and Chief Guest of the programme inaugurated the course on 12.02.2020. In his inaugural address, he mentioned role and importance of bamboo in rural livelihood. He appreciated the effort of FRCER for organizing such training programmes for scaling up of skills of youths of the region.

3/1 Lajpatrai Road, New Katra, Prayagraj- 211002
Phone: 0532-2440795; 2440796E mail: dir_csfer@icfre.org; sanjay.drsingh@gmail.com

Dr. Sanjay Singh, Head, FRCER earlier welcomed the chief guest and trainees and informed them about the objective of Green Skill Development programme and its role in employment generation. Later on Shri. Alok Yadav, Scientist-E and Course Director of Green Skill Development Programme (GSDP) illustrated the brief outline of the module.During the inauguration; Prof. Rajeev Tripathi also released the brochure of Centre.

TRAINING REPORT

The training was imparted on various aspects of propagation, management and value addition of bamboo and its importance in entrepreneur development. The course contents were divided into following aspects:

- *Theory and Lectures on the related subject through experts*
- *Field visits to various research organizations/ nurseries/ Agro-forestry models etc.*
- *Hands on training and discussion on propagation techniques and handicrafts*

Theory and Lectures:

Series of lectures were conducted to sensitizes and develop a knowledge base regarding bamboo propagation and management among the trainees. The various aspects covered during the course were "Bamboo resources and distribution, Macro and micro Propagation techniques for Bamboo (Different bamboo propagation methods such as culm cutting, branch cutting, rhizome extraction from mother clumps, were demonstrated to the trainees.), Clump management, Bamboo based entrepreneurship, Seasoning & Preservation of bamboo, Nursery Techniques & preparation of soil media for nursery and polypots, Geospatial tools in Bamboo Mapping as well as management and Bamboo based agroforestry system, integrated nutrient and pest management etc.

The participants were also taught about the basics of carbon sequestration, conservation of bamboo genetic resources, bio-fertilizer, vermicomposting, medicinal importance of bamboo and recent advancements in bamboo sector. Demonstrate the ability to collect field data, data analyses and practical skill in similar domains. In addition to this, candidates will have additional technical skills for use of GIS in bamboo management and conservation. Lectures were also delivered on working and formation of Self Help Groups etc.

3/1 Lajpatrai Road, New Katra, Prayagraj- 211002
Phone: 0532-2440795; 2440796E mail: dir_csfer@icfre.org; sanjay.drsingh@gmail.com

Field Visits:

As a part of awareness generation, guidance on various avenues for self-employment and exposure to various aspects of bamboo sector extensive field visits were planned during the programme. Field visits to various research and extension organizations like Tropical Forest Research Institute , Jabalpur ; Botanical Survey of India, Prayagaraj ; SHUATS, Hi-Tech nursery, IFFCO , bamboo based small scale industries, Large scale bamboo plantations, Bamboo based self help groups, bambusetum, agroforesrty models , tissue culture laboratory etc.

3/1 Lajpatrai Road, New Katra, Prayagraj- 211002
Phone: 0532-2440795; 2440796E mail: dir_csfer@icfre.org; sanjay.drsingh@gmail.com

3/1 Lajpatrai Road, New Katra, Prayagraj- 211002
Phone: 0532-2440795; 2440796E mail: dir_csfer@icfre.org; sanjay.drsingh@gmail.com

Hands on training:

In addition to the theoretical classes on bamboo biology, bamboo propagation and management and utilization, hands on training were also provided for bamboo plantation techniques, site selection, spacing, pit digging, intercropping, tending operation, selection of planting material and potting of the cuttings, additional instructions on proper culm and branch cutting selection were emphasized to the participants including the use of a sharp bow saw for cutting to avoid damaging the culm/branch. They also practiced in laboratory on tissue culture techniques. The trainees gained knowledge about propagation and silvicultural management of bamboos, harvesting methods and different processing and preservation techniques.

3/1 Lajpatrai Road, New Katra, Prayagraj- 211002
Phone: 0532-2440795; 2440796E mail: dir_csfer@icfre.org; sanjay.drsingh@gmail.com

Valedictory :

The training was conducted for the period of 38 days from 12.02.2020 to 20.03.2020. On the completion of course work, participants were awarded with certificates and mementos.

1st Row :Dr. S.D. Shukla(Technical Officer), Dr Anubha Srivastav(Scientist-C), Dr Kumud Dubey (Scientist-E), Dr.SanjaySingh(HeadFRC-ER),AlokYadav(CourseDirector),Dr.AnitaTomar(ScientistE),Siyaram (Section Officer)
2nd Row :Achal Singh, Priyanka Rajwani, Satyaprakash, Shivlal Bind, Anurag Gaurav, Shashi Prakash, Aryaveer Tiwari, Mahendra Verma, Ram Niwas Mitra, Anamika Singh, Anand Kumar Ojha.
3rd Row : Shashi Kumar, Sachin Kumar, Anand Kumar, Adarsh Dwivedi, Alok Kumar, Prashant Kumar, Ankit Shah, Amod Kumar, Shishupal.

3/1 Lajpatrai Road, New Katra, Prayagraj- 211002
Phone: 0532-2440795; 2440796E mail: dir_csfer@icfre.org; sanjay.drsingh@gmail.com

Media Coverage

बांस प्रवर्धन एवं प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

प्रयागराज, १२ फरवरी । पारि-पुनस्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज द्वारा 'बांस प्रवर्धन एवं प्रबंधन' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए मुख्य अतिथि एमएनएनआईटी के निदेशक प्रो. राजीव त्रिपाठी ने कहा कि हरित कौशल विकास कार्यक्रम अपने आप में बहुत ही अनूठी शुरुआत है।

बुधवार को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के हरित कौशल विकास के अन्तर्गत ३८ दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि इसके द्वारा न सिर्फ रोजगार व उद्यमिता के साधन प्राप्त होंगे, बल्कि इससे पर्यावरण संरक्षण को भी बल प्राप्त होगा। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने मुख्य अतिथि एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि बांस एक ऐसी प्रजाति है, जिसके द्वारा किसान अपनी आय को दोगुनी करने के साथ ही जलवायु परिवर्तन में सुधार भी ला सकता है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं केन्द्र प्रमुख के साथ कार्यालय के अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा केन्द्र विवरणिका पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम समन्वयक वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने तथा संचालम वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने किया। उक्त आयोजन में केन्द्र के तकनीक अधिकारी डॉ. एस.डी शुक्ला एवं रतन कुमार गुप्ता सहित राजकुमार, हरिओम, अंकुर, अमित, योगेश, प्रदीप आदि ने सहयोग दिया।

बांस से किसान अपनी आय कर सकते हैं दोगुनी

जासं प्रयागराज: हरित कौशल विकास अपने आप में अनूठी शुरुआत है। इसके जरिए न सिर्फ रोजगार व उद्यमिता के साधन प्राप्त होंगे, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलेगा।

यह बातें बुधवार को मोती लाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो. राजीव त्रिपाठी ने पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र में बतौर मुख्य अतिथि कहीं। बांस प्रवर्धन एवं प्रबंधन विषय पर 38 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत केंद्र में हुई। केंद्र प्रमुख डा. संजय सिंह ने बताया कि बांस एक ऐसी प्रजाति है, जिसके जरिए किसान अपनी आय को दोगुना कर सकते हैं। मुख्य अतिथि केंद्र प्रमुख के साथ अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने केंद्र विवरणिका का विमोचन किया। आलोक यादव ने इसके उद्देश्यों की जानकारी दी। संचालन डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अनीता तोमर ने किया। तकनीकी अधिकारी डॉ. एस डी शुक्ला, रतन कुमार गुप्ता, राजकुमार मौजूद रहे।

3/1 Lajpatrai Road, New Katra, Prayagraj- 211002
Phone: 0532-2440795; 2440796E mail: dir_csfer@icfre.org; sanjay.drsingh@gmail.com

बांस प्रबंधन पर प्रशिक्षण शुरू

प्रयागराज। पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र द्वारा मंगलवार से 38 दिवसीय कार्यशाला की शुरूआत की गई। इसमें किसानों को बांस प्रवर्धन एवं प्रबंधन विषय पर जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत मोती लाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो. राजीव त्रिपाठी ने किया। उन्होंने बताया कि हरित कौशल विकास कार्यक्रम बहुत ही अनूठी शुरूआत है। इसके द्वारा न सिर्फ रोजगार व उद्यमिता के साधन प्राप्त होंगे। केंद्र प्रमुख ने कहा कि बांस एक ऐसी प्रजाति है, जिसके द्वारा किसान अपनी आय को दोगुनी करने के साथ ही जलवायु परिवर्तन में सुधार ला सकते हैं। कार्यक्रम समन्वयक आलोक यादव, डॉ. अनीता तोमर, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. एसडी शुक्ला, रतन कुमार गुप्ता, राजकुमार, हरिओम, अंकुर आदि मौजूद रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

प्रयागराज। पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र द्वारा मंगलवार से 38 दिवसीय कार्यशाला की शुरूआत की गई। इसमें किसानों को बांस प्रवर्धन एवं प्रबंधन विषय पर जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत मोती लाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो. राजीव त्रिपाठी ने किया। उन्होंने बताया कि हरित कौशल विकास कार्यक्रम बहुत ही अनूठी शुरूआत है।

बांस प्रवर्धन एवं प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

प्रयागराज (हि.स.)। पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज द्वारा 'बांस प्रवर्धन एवं प्रबंधन' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए मुख्य अतिथि एमएनएनआईटी के निदेशक प्रो. राजीव त्रिपाठी ने कहा कि हरित कौशल विकास कार्यक्रम अपने आप में बहुत ही अनूठी शुरुआत है।

बुधवार को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के हरित कौशल विकास के अन्तर्गत 38 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि इसके द्वारा न सिर्फ रोजगार व उद्यमिता के साधन प्राप्त होंगे, बल्कि इससे पर्यावरण संरक्षण को भी बल प्राप्त होगा। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने मुख्य अतिथि एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि बांस एक ऐसी प्रजाति है, जिसके द्वारा किसान अपनी आय को दोगुनी करने के साथ ही जलवायु परिवर्तन में सुधार भी ला सकता है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं केन्द्र प्रमुख के साथ कार्यालय के अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा केन्द्र विवरणिका पुस्तिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम समन्वयक वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने तथा संचालन वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने किया। उक्त आयोजन में केन्द्र के तकनीक अधिकारी डॉ. एस.डी शुक्ला एवं रतन कुमार गुप्ता सहित राजकुमार, हरिओम, अंकुर, अमित, योगेश, प्रदीप आदि ने सहयोग दिया।

बांस प्रवर्धन एवं प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

सम्बोधित करते प्रो राजीव त्रिपाठी

प्रयागराज। पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज द्वारा बांस प्रवर्धन एवं प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए मुख्य अतिथि एमएनएनआईटी के निदेशक प्रो. राजीव त्रिपाठी ने कहा कि हरित कौशल विकास कार्यक्रम अपने आप में बहुत ही अनूठी शुरूआत है।

बुधवार को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के हरित कौशल विकास के अन्तर्गत 38 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि इसके द्वारा न सिर्फ रोजगार व उद्यमिता के साधन प्राप्त होंगे, बल्कि इससे पर्यावरण संरक्षण को भी बल प्राप्त होगा। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने मुख्य अतिथि एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि बांस एक ऐसी प्रजाति है, जिसके द्वारा किसान अपनी आय को दोगुनी करने के साथ ही जलवायु परिवर्तन में सुधार भी ला सकता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं केन्द्र प्रमुख के साथ कार्यालय के अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा केन्द्र विवरणिका पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम समन्वयक वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने तथा संचालन वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने किया। उक्त आयोजन में केन्द्र के तकनीक अधिकारी डॉ. एस.डी शुक्ला एवं रतन कुमार गुप्ता सहित राजकुमार, हरिओम, अंकुर, अमित, योगेश, प्रदीप आदि ने सहयोग दिया।

3/1 Lajpatrai Road, New Katra, Prayagraj- 211002
Phone: 0532-2440795; 2440796E mail: dir_csfer@icfre.org; sanjay.drsingh@gmail.com

बॉस प्रवर्धन एवं प्रबंधन विषय पर हरित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

प्रयागराज। प्रभात

पारि–पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र में बांस प्रवर्धन एवं प्रबंधन विषय पर 38 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में भाग लेने वाले युवाओं को वैज्ञानिकों एवं विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान त्रिपुरा से आए प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिभागी युवाओं को बांस का प्रयोग करके दैनिक जीवन में इस्तेमाल की जाने वाली वस्तुओं एवं साज–सज्जा हेतु विभिन्न प्रकार की वस्तुओं को तैयार करने का प्रशिक्षण दिया गया। कोरोना वायरस के प्रकोप के मध्य सावधानी बरतते हुए एक सादे समापन कार्यक्रम में केंद्र प्रमुख एवं अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा 26 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया।

सभी प्रतिभागियों को कोरोना वायरस से सतर्कता संबंधी जानकारी देने के साथ ही केंद्र द्वारा सुरक्षा मास्क भी वितरित किए गए। हरित कौशल विकास कार्यक्रम के तहत संचालित और पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने बांस प्रवर्धन एवं प्रबंधन हेतु प्रशिक्षित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रशिक्षण निदेशक–वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने पूरे पाठ्यक्रम की घटनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने व्याख्यान और प्रशिक्षण के दौरान शामिल विभिन्न दौरे और संसाधन व्यक्तियों के बारे में विस्तृत रूप से प्रस्तुति दी। इस अवसर पर केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ कुमुद दुबे, डॉ अनीता तोमर, डा. अनुभा श्रीवास्तव के साथ तकनीकी अधिकारी डॉ एस. डी. शुक्ला एवं रतन कुमार गुप्ता आदि कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

3/1 Lajpatrai Road, New Katra, Prayagraj- 211002
Phone: 0532-2440795; 2440796E mail: dir_csfer@icfre.org; sanjay.drsingh@gmail.com